... 3/5/2022 ...

4.5.22 दिनांक 3.5.22 का अवकाश होने पर पत्रावली आज पेश हुई। वकुलाय उपस्थित। बहस प्रार्थना पत्र हल श्रवण की गई। प्रतिवादी वकील ने दस्तावेजों की प्रति पेश की जो शामिल मिसल रहे। पत्रावली वास्ते आदेश प्रा० पत्र दिनांक 5.5-22 को पेश हो।

(हस्ताक्षर)

5.5.22 पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उपस्थित। बहस के दौरान आवेदकगण वकील ने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि प्रार्थना पत्र में वर्णित भूमि आवेदकगण की पैतृक भूमि है जो आवेदकगण व उनके पूर्वजों की कब्जा काश्त की भूमि रही है। अनावेदकगण द्वारा जबरन लाठी के बल पर आवेदकगण की पैतृक भूमि में कुछ भाग पर नाजायज कब्जा कर रखा है। आवेदकगण की पैतृक भूमि में अनावेदकगण का राजस्व रिकार्ड से किसी प्रकार का संबंध नहीं है। अनावेदकगण वकील ने जवाब प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि प्रार्थना पत्र में वर्णित भूमि अप्रार्थीगण सं० 1 लगायत 3 की व [illegible] की पैतृक भूमि रही है जिसके [illegible] अप्रार्थीगण काबिज काश्त है जिन्हें [illegible] को कोई

Signature Not Verified
Digitally signed by Ram Singh Rajawat
Date: 2023.02.14 15:49:57 IST
Reason: SelfAttested

	कार्यवाही विवरण	अनुपालना के क्रमांक व दिनांक
	व अधिकार नहीं है। पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया एवं बहस पर मनन किया गया। पत्रावली व उपलब्ध दस्तावेजों के अवलोकन से पाते है कि अप्रार्थीगण उक्त विवादित भूमि पर कब्जा काश्त है व मकान बनाकर आबाद है। प्रथम दृष्टया मामला सुविधा का सन्तुलन आवेदकगण की बजाय अनावेदकगण के पक्ष में होने से अपूर्णीय क्षति भी अनावेदकगण को ही कारित होती है। उक्त विवेचन से प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा खारिज किया जाना उचित एवं न्यायोचित प्रतीत होता है। **आदेश** प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा सारहीन होने से खारिज किया जाता है। पत्रावली [illegible] होकर नम्बर से कम हो तथा दाखिल दफ्तर हो। 5/5/22 Signature Not Verified Digitally signed by Ram Singh Rajawat Date: 2023.02.14 15:49:57 IST Reason: SelfAttested	